जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

07 अगस्त 2020

प्रेस विज्ञप्ति

एनईपी 2020 पर हुए यूजीसी कॉन्क्लेव को जामिया कुलपति ने संबोधित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने आज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत 'उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधार ' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कॉन्क्लेव को संबोधित किया।

यूजीसी के अध्यक्ष प्रो डी.पी. सिंह के स्वागत भाषण से कॉन्क्लेव की शुरूआत हुई। एमएचआरडी सचिव (उच्च शिक्षा) श्री अमित खरे ने एनईपी2020 के बारे में शुरुआती टिप्पणियां दीं, जिसके बाद एनईपी मसौदा समिति के अध्यक्ष डॉ के कस्तूरीरंगन का मुख्य भाषण हुआ।

मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक और एचआरडी राज्य मंत्री श्री संजय शामराव धोत्रे ने, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन भाषण से पहले अपना संबोधन दिया।

प्रो नजमा अख्तर ने कॉन्क्लेव के पहले सत्र में 'सर्वांगीण, बहु-विषयक और भविष्य की शिक्षा ' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने सर्व-मान्य और सर्वव्यापी एनईपी 2020 के लिए सरकार को, विशेष रूप से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री रमेश पोखरियाल निशंक ' को बधाई दी।

प्रो. अख्तर ने कहा कि एनईपी2020 हमारी शिक्षा के प्रति सरकार के ईमानदारी भरे सरोकार को दिखाता है। देश की शैक्षिक प्रणाली को विनियमित करने, नियंत्रित करने और मार्गदर्शन देने में सरकार की गहरी रुचि, यह यक़ीन दिलाती है कि वह देश नागरिकों को समकालीन ज़रूरतों के अनुरूप, सबसे आधुनिक शिक्षा से लैस करना चाहती है।

जामिया की कुलपति ने कहा कि लचीले पाठ्यक्रम के साथ समग्र और बहुआयामी शिक्षा, विषयों का रचनात्मक संयोजन, व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण, एकाधिक प्रवेश और उचित प्रमाणीकरण के साथ बीच में शिक्षा को छोड़ने की सहूलियत देना, शिक्षा के प्रति सरकार के प्रबुद्ध और प्रगतिशील दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि एनईपी2020 की समग्र, बहुआयामी और भविष्यात्मक शिक्षा युवाओं मंे सक्षम तन और सक्षम मन को प्रोत्साहित करेगी। यह दिमागी रचनात्मकता और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के साथ विशिष्ट अनुसंधानकर्ताओं और अध्यापकों को तैयार करेगी। इसमें 21 वीं सदी के भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए, एक नयी प्रणाली के ज़रिए छात्रों को पहल करने और उन्हें स्वतंत्रता देने की इच्छाशक्ति है, जिससे शैक्षणिक समस्याओं और संरचनात्मक असमानताओं और विषमताओं को मिटाया जा सकेगा।

कुलपति ने कहा चूंकि अनुसंधान गतिविधियां विशेषज्ञ संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और कुछ राज्य विश्वविद्यालयों तक ही केंद्रित हैं, ऐसे में एनईपी2020 इस व्यवस्था को बदल कर, उच्च शिक्षा को विशाल बहु-विषयक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में स्थानांतरित करना चाहती है। बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान के लिए, बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी। इससे वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

प्रो अख़्तर ने एनईपी2020 को वास्तव में भविष्यात्मक बताते हुए कहा कि इसकी सिफारिशें आधुनिक हैं और वे आने वाले भविष्य के लिए उपयुक्त हैं। वह स्पष्ट सोच, वैज्ञानिक दिमाग और दृष्टिकोण, नए विचारों को अपनाने, प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान, देशभक्ति और विश्व नागरिकता की सच्ची भावना के साथ सद्भाव से जीने की क्षमता प्रदान करने की ताकत दिखाते हैं।

जामिया के शिक्षकों और अधिकारियों ने कोविड-19 प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए, वीसी कार्यालय परिसर में इस ऑनलाइन कॉन्क्लेव की लाइव स्ट्रीमिंग में हिस्सा लिया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक